शनिवार
25 नवम्बर 2023

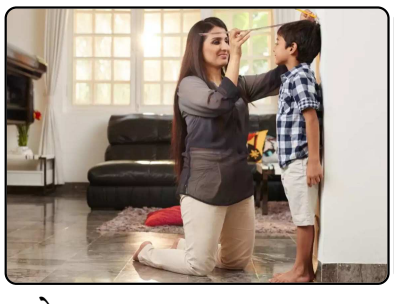

पृष्ठ 4

बच्चों की तेजी से बढ़ानी है हाइट, तो आज ही बदल दें उनकी डाइट

पृष्ठ 5

कीर्ति कुल्हारी अंतरराष्ट्रीय फिल्म में आएंगी नजर

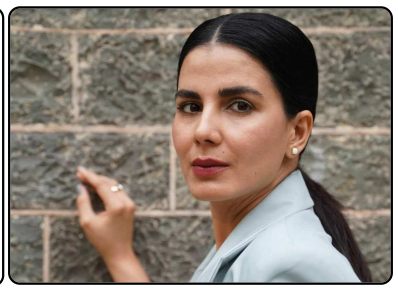

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 283
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

नारी की करुणा अंतरजगत का उच्चतम विकास है, जिसके बल पर समस्त सदाचार ठहरे हुए हैं।

– जयशंकर प्रसाद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

रेस्क्यू टीम का पाइप प्लान फेल

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा टनल हादसे को आज 14वां दिन है, लेकिन रेस्क्यू कार्य में आ रही बाधाओ के कारण बीते कल एक बार फिर अवरोध आने से सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। आगर मशीन के जरिए किए जाने वाले पाइप ड्रिलिंग का प्लान फेल हो जाने के कारण अब अन्य विकल्पों पर काम करने का फैसला लिया गया है। ऐसी स्थिति में अब रेस्क्यू कार्य के पूरा होने में कई दिन का समय लग सकता है।

सुरंग में पाइप ड्रिलिंग के जरिए अंदर फसें 41 मजदूर तक पहुंचने के जिन प्रयासों पर सिलक्यारा सुरंग रेस्क्यू टीमों की सारी उम्मीदें टिकी थी बीती रात उन सभी प्रयासों पर अब पानी फिर चुका है। जो बाकी बचे 10-12 मीटर की दूरी को कुछ ही घंटे में पार करने और श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाले जाने के दावे किए जा रहे थे अब रेस्क्यू टीमों का वह पाइप प्लान फेल हो चुका है। जानकारी के अनुसार कल रात इस आगर मशीन से काम शुरू होने के 1

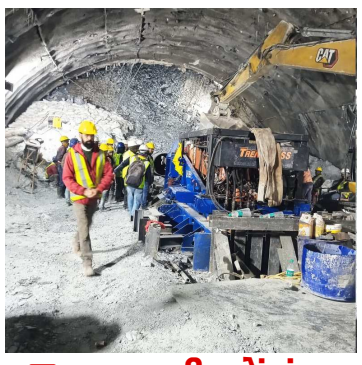

❑आगर मशीन में फंसा लोहे का जाल, काम ठप
❑मशीन के ब्लेड और साफ्ट टूटकर पाइप में फंसे
❑अब अन्य विकल्पों पर तेजी से काम का फैसला

घंटे के बाद ही इस मशीन ने काम करना बंद कर दिया क्योंकि उसके ब्लड किसी लोहे के जाल में फंसने से टूट गए। जब इस मशीन को बाहर निकालने का प्रयास किया गया तो उसका सॉफ्ट भी टूट गया और इसका एक हिस्सा पाइप के अंदर ही फस गया जिसे अब मैन्युअली गैस कटर से काटकर बाहर निकालने के प्रयास किया जा रहे हैं लेकिन यह काम आसान नहीं है।

उधर अब दूसरी ओर एक आगर मशीन हैदराबाद से मगांने की बात भी सामने आई है लेकिन इसे आने में 2 दिन का समय लगेगा और 4 दिन से पहले वह काम करना शुरू नहीं कर पाएगी। उसकी सफलता असफलता तो बाद की बात है। रेस्क्यू के इस प्लान बी के फेल हो जाने से रेस्क्यू अभियान को बड़ा झटका लगा है और यह अभियान एक बार फिर वही आकर खड़ा हो गया है जहां से शुरू हुआ था। हालांकि अन्य तीन प्लान पर काम किए जाने की बात कही जा रही थी लेकिन यह प्लान सफलता के करीब था इसलिए अन्य प्लान सिर्फ तैयारी तक ही सीमित थे। अब इस पाइप प्लान के फेल हो जाने के बाद हालत पहले से भी अधिक चुनौती पूर्ण हो गए हैं क्योंकि इस रेस्क्यू अभियान को 14 दिन का समय बीत चुका है।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

जमीनी विवाद के चलते गोली मारकर एक की हत्या, एक घायल

●गोली चलाने वाले बदमाश हरियाणा के बताये जा रहे हैं

संवाददाता

देहरादून। जमीनी विवाद के चलते गोली मारकर वृद्ध की हत्या कर दी गयी वही एक युवक घायल हो गया। गोली मारने वाले हरियाणा के बताये जा रहे हैं। हमलावर मौके से स्कूटर पर सवार होकर फरार हो गये। घटना का पता चलते ही एसएसपी अजय सिंह, एसपी देहात कमलेश उपाध्याय मौके पर पहुंचे। बदमाशों की तलाश में शहर में सघन चैकिंग अभियान चलाया गया। समाचार लिखे जाने तक कोई गिरफ्तार नहीं हुआ था।

मिली जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत बाढवाला क्षेत्र में बघेल सिंह का गांव के ही व्यक्ति से जमीनी विवाद काफी समय से चला आ रहा था। आज प्रातः बघेल सिंह व अन्य पक्ष विवादित जमीन पर पहुंचे तो दूसरी तरफ से हरियाणा के दो युवक भी मौके पर पहुंच गये। इसी दौरान दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया इसी दौरान दूसरे पक्ष की तरफ से आये हरियाणा के युवकों ने पिस्तौल निकाल कर बघेल सिंह पर फायर कर दिया जिससे गोली लगकर वह वहीं पर गिर गया और हमलावरों ने वहीं खडे धर्मसिंह

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

किसकी शह पर मुख्य चौराहों के पास धड़ल्ले से लग रही हैं ठेलियां व ऑटो

संवाददाता

देहरादून। मुख्य चौराहों के पास धडल्ले से लग रही ठेलियों व ऑटों के कारण लोगों को जाम से जूझना पडता है लेकिन मतलब ही नहीं उठता कि पुलिस प्रशासन इन पर कोई कार्यवाही कर सके। सवाल उठता है कि इनको आखिर किसी शह मिली है।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों शहर की यातायात व्यवस्था एक दम से चरमरायी हुई है और प्रत्येक घंटे के बाद किसी न किसी चौराहे पर जाम लगना आम बात हो गयी है। पुलिस अधिकारी इस जाम से जनता को निजात दिलाने के लिए आये दिन प्रयोग करते रहते हैं लेकिन पुलिस अधिकारियों के वह प्रयोग कोढ में खाज का काम करते हैं। जिससे जनता का बुरा हाल हो जाता है।

●पुलिस को क्यों नहीं दिखायी देती ये ठेलियां व ऑटो

पुलिस अधिकारियों के नित नये प्रयोगों में शहर के सभी चौराहे, तिराहे व विक्रम, सिटी बसें बीच में आती है और इनपर किसी न किसी प्रकार की रोक भी लगायी जाती है लेकिन पुलिस अधिकारियों को इन चौराहों के चारों ओर लगने वाली ठेलियां क्यों नहीं दिखायी देती यहां अपने आप में बडा सवाल खडा हो जाता है। शहर के मुख्य चौराहों के आसपास लगी ठेलियां पुलिस अधिकारियों को मुंह चिढाती दिखायी देती है और उनको मजबूर होकर इन ठेलियों को नजरअंदाज करना पडता है। यह भी अपने आप में एक प्रश्न है कि पुलिस अधिकारियों को किसका इतना खौफ है कि वह इन ठेलियों के खिलाफ कोई कदम उठाने से कतराते हैं।

यह बात दूसरी है कि चौराहों पर लगी ठेलियों का गुस्सा पुलिस अधिकारी गली मौहल्ले में सब्जी बेच रहे ठेली वालों पर निकालकर उनकी ठेलियों को बंद कर उन पर जुर्माना लगाकर अपनी पीठ थपथपाते हैं। लेकिन जो पुलिस की कारगुजारी को जानता है वह पुलिस की इस कार्यवाही को 'खिसयाई बिल्ली खम्बा नोंचे' ही मानता है। क्योंकि मुख्य चौराहों चाहे वह ओरियन्ट चौक हो या फिर कनक चौक, लैसडाउन चौक, तहसील चौक आदि यहां पर खुलेआम लगी ठेलियां जाम को

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

अनिश्चिता में फंसा रेस्क्यू

सिलक्यारा सुरंग हादसे को आज 14 दिन का समय बीत चुका है। सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों की जिंदगी दांव पर लगी हुई है। अब तक इन्हें बाहर निकालने के जो भी प्रयास किए गए हैं उनका कोई नतीजा अब तक निकलता नहीं दिख रहा है। यहां चलाए जा रहे रेस्क्यू अभियान में देश-विदेश के तमाम विशेषज्ञ बीते 14 दिनों से लगातार काम कर रहे हैं। सुरंग से मलवा बाहर निकालने का प्लान ए फेल होने के बाद प्लान बी पर काम शुरू हुआ जिसमें आगर मशीन से मलबे को निकाल कर 900 एमएम व्यास के पाइप डाल कर मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश की गई लेकिन यह कोशिश 22 मीटर पर जाकर अटक गई छोटी क्षमता वाली मशीन के असफल होने पर उड़ीसा और गुजरात से हैवी अमेरिकन मशीन लाई गई जिसके कारण चार-पांच दिन काम वही थमा रहा जहां था। इस हैवी अमेरिकन मशीन से काम शुरू किया तो यह उम्मीद जागी कि शायद यह मिशन कामयाब हो जाएगा लेकिन बीते चार दिनों से काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। 48 मीटर पर काम अटकने के बाद 3 दिन से हर संभव कोशिश के बाद भी 50 मीटर से आगे पाइप नहीं बढ़ सके हैं। इन तीन दिनों में स्थिति कभी दो कदम आगे तो चार कदम पीछे वाली ही बनी हुई है। हर रोज सुबह को बताया जाता है कि आज किसी भी समय मिशन सिलक्यारा पूरा कर लिया जाएगा और देर रात तक फिर यही सुनने को मिलता है कि आगर मशीन के रास्ते में ठोस धातु आने के कारण मशीन आगे नहीं बढ़ पा रही है या फिर उसके ब्लेड खराब हो गए हैं अथवा प्लेटफार्म का बैलेंस खराब हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो बीते तीन दिनों से इस उम्मीद में यहां कैंप किए हुए थे अब वह भी वापस लौट आए हैं। तीन दिनों से अभियान पूरा होने की संभावनाओं के मद्देनजर जो एनडीआरएफ के जवान श्रमिकों को बाहर लाने के लिए मुस्तैदी से खड़े थे उन्हें भी हटा लिया गया है। जो 40 एम्बुलेंस का काफिला था जिन्हें तुरंत मजदूरों को अस्पताल ले जाने के लिए अलर्ट मोड पर खड़ा किया गया था उसकी भी जरूरत नहीं रह गई है। बीती रात आगर मशीन का यह प्लान बी भी अब कामयाबी के करीब जाकर थम गया है अब विशेषज्ञों का कहना है कि जो 10 मीटर की दूरी शेष बची है उसे मैनुअली तरीके से काम करके आगे बढ़ा जाएगा। सवाल यह है कि जब हेवी मशीनरी इस 10 मीटर के दायरे को पार करने में बीते 4 दिनों से नाकाम साबित हो रही है वह काम अगर मैन्युअली किया जाएगा तो उसमें कितना समय लगेगा। अब इस हादसे को 14 दिन का समय बीत चुका है गनीमत यह है कि सुरंग में खाने-पीने का सामान और ऑक्सीजन पहुंच रही है और जो मजदूर अंदर फंसे हैं वह सामूहिक रूप से एक दूसरे का हौसला बढ़ाए हुए हैं लेकिन ऐसी स्थिति में कितने समय तक उनके जीवन की सुरक्षा संभव है। इन 41 जिंदगियों को बचाने के लिए जो रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है उसमें जुटे लोग भी 14 दिनों की हाड़ तोड़ मेहनत के बाद थक चुके हैं जो एक स्वाभाविक बात है। इस पूरे मिशन पर होने वाले खर्च की तो बात छोड़ ही दीजिए। लेकिन बात इन श्रमिकों की जान व उनके परिजनों के इंतजार की है जो लगातार बढ़ता ही जा रहा है, उसे यूं ही नहीं छोड़ा जा सकता है। उनकी मानसिक वेदना और स्थिति का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है भले ही पीएमओ द्वारा इस दुनिया के सबसे बड़े रेस्क्यू अभियान की कमान खुद संभाली जा रही हो और एक साथ पांच प्लान पर काम किया जा रहा हो लेकिन अब यह मिशन सिलक्यारा उस स्टेज पर पहुंच गया है जो सरकार और आपदा राहत प्रबंधन और कार्य कौशल पर बड़े सवाल खड़े करता है अगर यह अभियान आने वाले दो एक दिन में पूरा नहीं हो पाता है तो इस मिशन पर कई तरह के सवाल उठना भी लाजमी है। इन 14 दिनों में सिलक्यारा में क्या-क्या हुआ और क्या हो रहा है? इस पर देश और दुनिया की निगाहें टिकी हुई है। अब प्रार्थनाओं का दौर भी जारी है लोग उम्मीद कर रहे हैं कि कोई चमत्कार जरूर होगा और यह 41 जिंदगियां अवश्य बच पाएंगी।

सगाई कर शादी से इंकार करने पर 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। सगाई कर दहेज के लिए शादी से इंकार करने पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी व्यक्ति ने रायपुर थाने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी की सगाई ओम विहार नं0 3 उत्तम नगर दक्षिण दिल्ली निवासी सूरज नेगी पुत्र हरेन्द्र सिंह नेगी के साथ हुई थी। सगाई के बाद सूरज व उसके परिवार के लोगों के द्वारा दहेज की मांग की जाने लगी तथा उनके समझाने पर उनके साथ गाली गलौच करने लगे तथा पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए शादी करने से इंकार कर सूरज नेगी के द्वारा उसकी पुत्री के साथ छेडछाड की गयी।

प्र ये गावो न भूर्णयस्त्वेषा अयासो अक्रमुः।
घ्नन्तः कृष्णामप त्वचम्॥

(ऋग्वेद ९-४१-१)

सूर्य की किरणें पृथ्वी पर पड कर रात के अंधकार को दूर कर देती है। ज्ञानवान मनुष्यों की आध्यात्मिकता की किरणें अज्ञानता के अंधकार को दूर कर देती हैं।

'टिहरी एक्रो फेस्टिवल' का कैबिनेट मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारम्भ

हमारे संवाददाता

टिहरी गढ़वाल। कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल द्वारा 'टिहरी एक्रो फेस्टिवल' के उद्घाटन करते हुए समारोह का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर प्रदेश के वित्त, शहरी विकास एवं आवास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल द्वारा सभी को 'टिहरी एक्रो फेस्टिवल' की बधाई दी गई। उन्होंने कहा कि टिहरी झील के पूरे क्षेत्र की सुंदर छटा में जल क्रीड़ा एवं साहसिक खेलों के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से विश्व के मानचित्र पर क्षेत्र को एक नई पहचान मिलेगी तथा रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। कहा कि पैराग्लाइडिंग में पी-1 से पी-4 में अलग-अलग श्रेणी में लगभग 43 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने फेस्टिवल के सफलता के लिए सभी को शुभकामनाएं दी। इस दौरान मंत्री द्वारा पैराग्लाइडरों से वार्ता कर शुभकामनाएं देते हुए पुनः उत्तराखंड आने का निमंत्रण दिया गया।

इस मौके पर वन, तकनीकी शिक्षा, भाषा व निर्वाचन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि साहसिक खेलों के लिए और जनपद टिहरी की आर्थिकी बढ़ाने हेतु टिहरी झील में कई संभावनाएं हैं। उन्होने कहा कि पैराग्लाइडिंग की सफलता, पर्यटन की निरंतरता तथा देश विदेश में अपनी पहचान बनाए रखने हेतु यह अच्छी शुरूआत है। यहां के बच्चों को इसका लाभ मिलेगा तथा तमाम तरह के टूरिज्म बढ़ने से आर्थिकी बढ़ेगी।

बता दें कि उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् के तत्वाधान में कोटी कॉलोनी टिहरी गढ़वाल में आयोजित 'टिहरी एक्रो फेस्टिवल' का 24 नवम्बर 2023 शुक्रवार को शुभारंभ हो चुका है, जो 28 नवंबर, 2023 तक चलेगा। फेस्टिवल में भारत सहित 28 देशों के 130 पायलट प्रतिभाग कर रहे हैं। जिसमें 50 विदेशी तथा 80 भारत के विभिन्न राज्यों के पायलट शामिल हैं। पैराग्लाइडरों द्वारा टैक ऑफ पॉइंट प्रतापनगर से उड़ान भरकर कर कोटी कालोनी में लैंडिंग की जा रही है। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख चंबा शिवानी बिष्ट, सीडीओ मनीष कुमार, डीएफओ पुनीत तोमर, अपर मुख्य कार्याधिकारी पर्यटन यशवीन पुंडीर, सीईओ मंत्रा पैराग्लाइडिंग कम्पनी तानाजी ताकवे, एसडीएम नरेंद्रनगर देवेंद्र नेगी, एसडीएम टिहरी संदीप कुमार, अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई बृजेश गुप्ता,सहासिक खेल अधिकारी के.एस.नेगी सभासद विजय कठेत, जनप्रतिनिधि खेम सिंह चौहान सहित कई लोग मौजूद रहे।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशविला रोड निवासी शुभम ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से सहस्त्रधारा रोड पर गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल एक स्थान पर खडी की और काम से दुकान में चला गया। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

50 लाख की ठगी करने के मामले में कांग्रेसी नेता के भतीजे पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर 50 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता के भतीजे के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिस्सरवाला निवासी कुलदीप त्यागी ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि झण्डा मौहल्ला निवासी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता के भाई संजय मोहन उनियाल के बेटे कार्तिकेय उनियाल के साथ उसका एक सम्पत्ति को खरीदने का सौदा तय हुआ तथा उक्त सम्पत्ति का सौदा 70 लाख रूपये में हुआ था तथा दोनों ने एग्रीमेंट किया तथा उसने कार्तिकेय उनियाल को 50 लाख रूपये अदा कर दिये। जिसके बाद कई बार उसने कार्तिकेय उनियाल को सम्पत्ति की रजिस्ट्री करने के लिए कहा लेकिन उसने रजिस्ट्री करने से मना कर दिया तथा उसके रूपये भी वापस नहीं किये। जिसके बाद उसको पता चला कि कार्तिकेय उनियाल ने उसके साथ धोखाधडी की है।

30 नवम्बर को न्याय संगत मांगों को दोहराएंगे लघु व्यापारीः संजय

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि ऑनलाईन खरीदारी व्यापार के विरोध में 30 नवम्बर को लघु व्यापारी जन चेतना रैली निकाल अपनी न्याय स ंगत मांगों को दोहराएंगे।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के एकमात्र संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के अवाहन पर आगामी 30 नवंबर को ऑनलाइन खरीदारी व्यापार के विरोध में रेडी पटरी के लघु व्यापारी एक दिवसीय जन चेतना रैली निकालकर किया जाएगा जोरदार बड़ा प्रदर्शन। ऑनलाइन खरीदारी व्यापार के विरोध में लघु व्यापारियों ने अप नगरी ज्वालापुर पुल जटवाड़ा के वेंडिंग जोन के प्रांगण में बैठक का आयोजन कर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लेते हुए प्रचार सामग्री हैंड बिल का भी किया अनावरण।

इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान ऑनलाइन खरीदारी व्यापार को संचालित किया गया था लेकिन कोरोना काल समाप्त होने के उपरांत कोरोना से बचाव के सारे नियम सरकार द्वारा स्थिगित किए जा चुके हैं लेकिन ऑनलाइन व्यापार बड़े पैमाने पर संचालित किया जा रहा है जिससे रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को आर्थिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जो की दुर्भाग्यपूर्ण है। लघु व्यापारियों में राजकुमार एंथोनी, तस्लीम अहमद, जय भगवान सिंह, विजेंद्र चौधरी, मनोज कुमार मंडल, आजम अंसारी, यामीन, चुन्नू चौधरी, फैजल, धर्मपाल कश्यप, रणवीर सिंह, कामिल, सोनू रईस, मुनेश सिंह, वरुण कुमार, मनोज कुमार, अनवर अली, चंदन सिंह रावत, जय सिंह बिष्ट, अनूप सिंह, गोपाल कृष्ण, विजय गुप्ता, भोले शंकर पांडेय, विजेंद्र, लालचंद गुप्ता, श्रीमती नम्रता सरकार, आशा देवी, पुष्पा देवी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

होंठों पर लिपस्टिक लगाने के ये है सही तरीका

महिलाओं के लिए लिपस्टिक कितनी मायने रखती हैं यह तो आप सभी जानते ही हैं क्योंकि इससे उनके चहरे का आकर्षण निखर कर आता हैं। हांलाकि अभी कोरोना के चलते सभी मास्क लगे हुए हैं तो लिपस्टिक का इतना महत्व नहीं रह जाता हैं। लेकिन वर्चुअल मीटिंग के दौरान तो अपने लोकक को परफेक्ट दिखाने की जरोलोरत पड़ती हैं। ऐसे में जरूरी हैं कि लिपस्टिक लगाने का सही तरीका जाना जाए, अन्यथा यह आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता हैं। तो आइये जानते हैं इसके बारे में।

– बहुत सारी लड़कियों को ये ही मालूम नहीं होता है कि वे लिपस्टिक को कहां से लगाना शुरू करें, जिस वजह से भले ही आप कितनी महंगी लिपस्टिक क्यों न ले लें आपके लिप्स की शेप बिगड़ ही जाती है। लिपस्टिक को हमेशा होठों के बीच से लगाना शुरू करना चाहिए। इसके बाद पूरे होठों पर लगाना चाहिए।

– अक्सर चाय-पानी पीते वक्त आपके ग्लास और कप पर लिपस्टिक छप जाती है। इस वजब से कई बार आपको शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा होगा। इससे बचने के लिए लिपस्टिक लगाने के बाद हमेशा एक टिश्यू पेपर को अपने होठों के बीच में रखकर दबाएं।

– लिपस्टिक लगाने से पहले हमेशा हल्के रंग की लिप पेंसिल से आउट लाइन बनाएं। ऐसा करने से होठों का आकार उभरकर सामने आता है। इसके अलावा लिपस्टिक लगाना भी आसान हो जाता है और लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी भी रहती है। सौंदर्य विशेषज्ञों के अनुसार लिपस्टिक को फ्रिज में रखना चाहिए। ऐसा करने से ये कम मेल्ट होती है और होंठों पर भी लंबे समय तक टिकी रहती है।

– सबसे पहले तो इस बात का ध्यान रखें कि लिपस्टिक लगाने से पहले होंठ रूखे न हो। होठों के बीच दरार दिख रही है तो लिपस्टिक न लगाएं क्योंकि इस तरह के होंठ में लिपस्टिक बहुत भद्दी दिखती है। अगर कहीं जाने के लिए तैयार हो रही हैं और लिपस्टिक लगाने से पहले लिप बॉम लगाएं, जिससे कि होंठ मुलायम हो जाएं और उनके बीच की दरार भर जाए।

– अक्सर लड़कियां अपने स्किन टोन के हिसाब से लिप शेड्स चुनती हैं। लेकिन इसके साथ उन्हें अपने लिप के साइज का भी ख्याल रखना चाहिए। पतले होंठ वाली लड़कियों को डार्क कलर के लिपस्टिक से थोड़ा दूर ही रहना चाहिए। क्योंकि इसमें आपके होंठ और ज्यादा पतले नजर आ सकते हैं। इसलिए पतले होंठ वाली लड़कियों को लाइट शेड की लिपस्टिक लगानी चाहिए। इसके अलावा हमेशा होठों के सेंटर में लिपस्टिक लगाएं और फिर बाकी लिप्स पर फैला लें। ऐसा करने से आपके लिप्स की शेप अच्छी बनेगी।

बच्चे के लिए 'सुरक्षागार्ड' का काम करता है मां का दूध

कहा जाता है कि पैदा हुए बच्चे के लिए मां का दूध काफी लाभकारी होता है। उसमें मौजूद पोषक तत्व उसे एनर्जी देने का काम करते हैं। सिर्फ यही नहीं, मां का दूध बच्चे को बीमारियों से लड़ने की भी शक्ती देता है। ऐसा मां के दूध में पाए जाने वाले एक ख़ास किस्म के सूक्रोज़ और चीनी की वज़ह से होता है। यह पदार्थ नवजात को एक बेहद खतरनाक जीवाणु के जानलेवा संक्रमण से बचाता है।

एक नए अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। अध्ययन में पाया गया कि मां के दूध में पाया जाने वाला एक खास किस्म का सूक्रोज़ 'लैक्टो-एन-डिफ्यूकोहेक्सोज 1' नवजातों में मेनिनजाइटिस (मस्तिष्क ज्वर) व अन्य खतरनाक संक्रमण के लिए जिम्मेदार आई ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस बैक्टीरिया को खत्म करता है।

वैसे शिशु जिनकी मां के दूध में लैक्टो-एन-डिफ्यूकोहेक्सोज होता है, उनके शरीर में मौजूद जीवाणु जन्म के 60-89 दिनों के भीतर खत्म हो जाते हैं। ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस बैक्टीरिया स्वाभाविक तौर पर तीन गर्भवती महिलाओं में से एक की योनि तथा पेट में पाया जाता है। यह बच्चे के जन्म के समय या मां के दूध के सहारे बच्चे के शरीर में दाखिल होकर संक्रमण पैदा करता है। मां के दूध में मौजूद ओलिगोसैकेराइड्स पचता नहीं है, बल्कि यह बच्चे की आंत में मौजूद गुड बैक्टीरिया के लिए खाद्य पदार्थ का काम करता है। अध्ययन के मुताबिक, मां के दूध में मौजूद सूक्रोज़ और चीनी गुड बैक्टीरिया के पोषण में मदद करता है और हानिकारक बैक्टीरिया का सफाया करता है। इंपीरियल कॉलेज लंदन के स्नातकोत्तर छात्र व अध्ययन के मुख्य लेखक निकोलस आंद्रियास का कहना है कि अध्ययन में यह बात सामने आई है कि मां के दूध में मौजूद ह्यूमन मिल्क ओलिगोसैकेराइड्स, रोटावायरस तथा ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस के संक्रमण से भी बचाव करता है।

आईब्रो की सही देखभाल ऐसे करें

खूबसूरती बढ़ाने में आईब्रो का भी अहम स्थान है। क्या आप जानती हैं कि सही आकार की आईब्रो आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगा सकती है? कैसे करें आईब्रो की सही देखभाल, आइए जानेंरू

अगर आप चाहती हैं कि आपकी आईब्रो घनी और खूबसूरत दिखें तो एक अच्छा आईब्रो ब्रश जरूर खरीदें। आईब्रो पेंसिल का इस्तेमाल किए बिना भी आपकी भौंहें घनी दिखेंगी।

अपनी भौंह की ग्रोथ को ध्यान में रखते हुए नियमित अंतराल पर थ्रेडिंग करवाएं। नियमित थ्रेडिंग की मदद से आपकी खूबसूरती कई गुना निखर जाएगी।

कई लोगों की भौंहों में बालों की ग्रोथ ठीक नहीं होती। भौंह में कोई-कोई जगह खाली नजर आती है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से आईब्रो पेंसिल या फिर जेल का इस्तेमाल करें। चेहरे को आकर्षक रूप देने के लिए अपनी आईब्रो में थोड़ा-सा 'आर्च' बीच से उठा हुआ लुक देने से न घबराएं। आईब्रो के दोनों किनारों को घना रखें।

आंखों की खूबसूरती इस प्रकार निखरेगी

खूबसूरत आंखें हर कोई महिला चाहती है क्योंकि बड़ी, चमकीली और कटीली आंखों को सुंदरता की निशानी माना जाता है। ऐसी आंखें जिनसे नजरें हटती ही नहीं हैं सबके आकर्षण का केन्द्र होती हैं पर जरूरी नहीं कि प्राकृतिक रूप से हर किसी की आंखें इतनी ही खूबसूरत हों। अगर आप भी अपनी आंखों की खूबसूरती को निखारना चाहती हैं तो आपको आई मेकअप से जुड़ी मुख्य बातों को सीखना होगा। यह सच है कि शुरुआत में कुछ कमियां रह जाएंगी, पर लगातार कोशिश करने से आप भी मेकअप के जरिये अपनी आंखों की खूबसूरती को एकदम से निखार पाएंगी।

आई प्राइमर की भूमिका रहती है अहम

आई मेकअप करने के कुछ घंटे बाद ही अगर पूरा मेकअप फैलने लगे तो चेहरे की रौनक खराब होने में समय नहीं लगता है। ऐसे में आई प्राइमर की भूमिका अहम हो जाती है। चेहरे के प्राइमर की तरह ही आंखों का प्राइमर वहां की त्वचा के टेक्सचर को बेहतर बनाकर आई मेकअप को लंबे समय तक टिकने में मदद करता है। साथ ही आई प्राइमर, आई शैडो को भी खराब होने और उस पर क्रैक पड़ने से बचाता है। आई प्राइमर को आप आई शैडो लगाने से पहले अपनी उंगलियों या फिर मेकअप ब्रश की मदद से लगा सकती हैं।

कंसीलर है जरूरी

जब भी आई कंसीलर की बात आती है तो सही चुनाव करना कठिन हो जाता है। एक गलत धारणा यह है कि अगर आंखों के नीचे काले घेरे या दाग-धब्बे न हों तो कंसीलर की जरूरत ही नहीं पड़ती पर, सच्चाई यह है नहीं। प्रभावी आई मेकअप के लिए हमेशा कम मात्रा में ही सही, कंसीलर का इस्तेमाल जरूर करें।

जरूरी है आई शैडो

आई शैडो से आंखों की खूबसूरती सही तरीके से तभी निखरती है, जब आप उसे मेकअप करते वक्त अच्छी तरह से मिलाती हैं। आई मेकअप करते वक्त आई शैडो को सही तरीके से मिलाने पर पूरा ध्यान दें। आई शैडो में आप कितने रंगों का चुनाव कर रही हैं, यह मायने नहीं रखता है। मुख्य बात यह है कि आप आई शैडो को अच्छी तरह से मिलाएं।

वॉटरप्रूफ आईलाइनर खरीदें

आजकल बाजार कई तरह के आईलाइनर से भरा पड़ा है। इनमें सबसे ज्यादा चलन में लिक्विड ब्लैक आईलाइनर है। आईलाइनर खरीदते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि वह वॉटरप्रूफहो। बाजार में पेंसिल आईलाइनर भी उपलब्ध है, जिसका इस्तेमाल आप आई शैडो की तरह भी कर सकती हैं। इसे लगाना लिक्विड आईलाइनर की तुलना में आसान होता है। प्रभावी इस्तेमाल के लिए अपने पेंसिल आईलाइनर को नियमित अंतराल पर नुकीला भी करें। कम वक्त में खूबसूरत आईलाइनर लगाने के लिए पेन आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

काजल लगायें

काजल के बिना आई मेकअप पूरा नहीं होता है। आंखों की खूबसूरती निखारने में काजल की भूमिका अहम होती है। जरा-सा काजल लगाते ही आंखों की पूरी थकावट गायब हो जाती है। बाजार में ब्लू, ग्रे, ग्रीन, ब्लैक जैसे कई रंगों में काजल उपलब्ध हैं। काली व भूरी आंखों पर हरे रंग का काजल भी लगाया जा सकता है। हरे व हेजल रंगों की आंखों पर बैंगनी, हल्का भूरा, नीला व हरा रंग फबता है। अगर आपकी आंखों का रंग नीला है तो उस पर नीला काजल लगाने से बचें। काला, ग्रे या बैगनी रंग का काजल आपकी आंखों की खूबसूरती को निखारेगा।

पलकों का रखें ध्यान

प्रभावी आई मेकअप के लिए पलकों की सही देखभाल भी जरूरी है। मस्कारा लगाने के बाद अपनी पलकों को कर्ल करना न भूलें। इससे आपकी पलकों को आकर्षक अंदाज मिलेगा।

सर्दियों में काम आएंगे ये स्किन केयर टिप्स

सर्दियों में त्वचा रूखी हो जाती है और त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, इसलिए इस मौसम में अपनी त्वचा की खास देखभाल करें, ताकि आपकी त्वचा में नमी और निखार बरकरार रहें.

लक्मे सैलून की राष्ट्रीय विशेषज्ञ (नाखून व त्वचा) दिशा मेहर के सुझावों को अपनाकर आप भी सर्दियों में अपनी त्वचा को मुलायम व निखरा बनाए रख सकते हैं :

* अगर आपके चेहरे पर महीन रेखायें नजर आती हैं और त्वचा रूखी लगती है तो आपके लिए त्वचा में नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है. एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर व्हाइट टी स्किन ट्रीटमेंट के जरिए आपकी त्वचा में जरूरी नमी फिर से आ सकती है. अच्छी कंपनी का मॉइस्चराइजर भी जरूर लगाएं.

* मौसम बदलने से त्वचा लाल पड़ जाती है और इसमें कुछ सूजन भी हो सकती है, इसलिए सावधानी से सौंदर्य उत्पादों का चुनाव करें व मॉइस्चराइजर रोज लगाएं.

* त्वचा बेजान मालूम पड़ने या चमक खोने का मतलब इसका एसिड मेंटल प्रभावित होना है. त्वचा में नमी और तेल की कमी इसका प्रमुख कारण है. सोने से पहले पोषक तत्वों से भरपूर आर्गन तेल से मालिश जरूर करें. यह त्वचा में आवश्यक कोलेजन स्तर को बनाए रखने में मददगार है.

* सर्दियों के दौरान एड़ी फटना एक आम समस्या है. नंग पैर नहीं चले. मॉइस्चराइजर, तेल या एड़ी फटने की विशेष क्रीम लगाएं और मोजे पहनें.

टकराव टालने पर सहमति

तीन पहलुओं के अलावा कोई बड़ी कामयाबी बाइडेन-शी वार्ता में हासिल नहीं हुई। इसलिए इस बात की संभावना नहीं है कि दोनों देशों के संबंधों में गिरावट और तनाव का जो दौर है, उस पर कोई प्रभावी लगाम लग पाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता से दोनों देशों के संबंधों में कोई नाटकीय सुधार होने की अपेक्षा नहीं थी। और ऐसा हुआ भी नहीं। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में दोनों राष्ट्रपतियों की हुई शिखर वार्ता में जो सहमतियां बनीं, उनका सार सिर्फ यह है कि दोनों देश यह सुनिश्चित करेंगे कि

बिगड़ते संबंध युद्ध भड?ने के हालात तक ना पहुंच जाएं। इस लिहाज से दोनों देशों के बीच हर स्तर पर सैन्य संवाद बहाल करने पर बनी सहमति सबसे अहम है। पिछले साल जब अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान की यात्रा की थी, तो उसके विरोध में चीन ने यह संवाद तोड़ लिया था। इसके अलावा चीन नशीले पदार्थ फेंटानाइल बनाने में इस्तेमाल होने वाले तत्वों का निर्यात रोकने के उपाय करने पर सहमत हुआ। अमेरिका की घरेलू राजनीति में जो बाइडेन इसे अपनी सफलता के रूप में पेश करेंगे।

वैसे दोनों देशों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से संबंधित जोखिम और सुरक्षा के प्रश्न पर संवाद के लिए साझा कार्यदल बनाने का फैसला भी अहम है। एआई में ये दोनों देश अग्रणी हैं और जाहिर है, वे जो मानदंड तय करेंगे, उसका असर दुनिया पर पड़ेगा। मगर इन तीन पहलुओं के अलावा कोई बड़ी कामयाबी बाइडेन-शी वार्ता में हासिल नहीं हुई। बाकी मुद्दों पर उन्होंने अपने-अपने देशों के रुख को दोहराया। इसलिए इस बात की संभावना नहीं है कि दोनों देशों के संबंधों में गिरावट और तनाव का जो दौर है, उस पर कोई प्रभावी लगाम लग पाएगी। शी जिनपिंग ने एशिया पैसिफिक इकॉनमिक को-ऑपरेशन (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई इस मुलाकात को यह जताने का मौका बनाया कि चीन अब एक महाशक्ति है और अमेरिका को उससे उसी रूप में पेश आना चाहिए। जो बाइडेन प्रशासन ने इस मुलाकात को संभव बनाने के लिए जितना परिश्रम किया, उससे शी को अपना यह संदेश प्रसारित करने में एक हद तक सफलता भी मिल गई है। अब देखने की बात है कि क्या ये दोनों बड़ी ताकतें भविष्य में अपने आपसी संबंधों को क्या दिशा देती हैं।(आरएनएस)

चिराग पासवान का इंतजार लंबा हो रहा है

अपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान बताने वाले चिराग पासवान का इंतजार लंबा होता जा रहा है। उनको 12, जनपथ का बंगला खाली करके नॉर्थ एवेन्यू में रहना पड़ रहा है और नीतीश कुमार के एनडीए से बाहर होने के 15 महीने बाद भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में उनको जगह नहीं मिली है। अब भी उनके पिता की बनाई पार्टी के उत्तराधिकारी के तौर पर उनके चाचा पशुपति पारस केंद्र सरकार में मंत्री हैं। जुलाई में एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने जिस अंदाज में उनको गले लगाया था और उससे पहले जेपी नड्डा ने उनको लोक जनशक्ति पार्टी के मुख्य धड़े का नेता बताया था उससे लग रहा था कि उनको केंद्र सरकार में मंत्री बनाया जाएगा। लेकिन इनका इंतजार खत्म नहीं हो रहा है।

अब एक बार फिर इस बात की चर्चा हो रही है कि उनको केंद्र सरकार में मंत्री बनाया जाएगा। उनके समर्थक कह रहे हैं कि किसी भी समय प्रधानमंत्री मोदी अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल का ऐलान कर सकते हैं, जिसमें चिराग पासवान को मंत्री बनाया जाएगा। पिछले कुछ समय उनको राज्यमंत्री बनाए जाने की बात बिहार भाजपा के नेता भी कह रहे हैं।

नीतीश की काट में भाजपा को दलित और अत्यंत पिछड़ी जाति के नेता को आगे करना है। तभी यह भी चर्चा है कि किसी अति पिछड़ी जाति के नेता को भी केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है। गौरतलब है कि बिहार में जाति गणना के आंकड़ों के मुताबिक सबसे ज्यादा 36 फीसदी आबादी अत्यंत पिछड़ी जाति की है। यहां तक कहा जा सकता है कि भाजपा अति पिछड़ी जाति के ऐसे नेता को भी केंद्र में मंत्री बना सकती है, जो सांसद न हो। बिहार की जातीय राजनीति को देखते हुए मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल का मामला दिलचस्प हो रहा है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बच्चों की तेजी से बढ़ानी है हाइट, तो आज ही बदल दें उनकी डाइट

बच्चों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए पैरेंट्स हर तरह का ख्याल रखते हैं। बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए उनकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ दोनों बेहद जरूरी होती है। हालांकि, बच्चों की लंबाई अनुवांशिक, पोषण और एक्सरसाइज पर निर्भर करता है। अगर बच्चों की डाइट बेहतर रखी जाए तो उनकी लंबाई अच्छी बनाई जा सकती है। कुछ ऐसे फूड्स होते हैं तो बच्चों के शरीर को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध करवाते हैं और उनकी विकास को बढ़ाने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए उन्हें किस तरह का डाइट देना चाहिए।।

बच्चों की हाइट बढ़ाने वाली डाइट

दूध और इससे बने प्रोडक्ट्स

दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स बच्चों की हाइट बढ़ाने में सबसे बेहतर माने जाते हैं। दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन-डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो बच्चों की ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी है। दिन में बच्चों को कम से कम 1-2 गिलास दूध देना चाहिए। इसके अलावा दही, पनीर और दूध के दूसरे प्रोडक्ट्स खाने में देना चाहिए।

हरी सब्जियां

हरी सब्जियों में विटामिन ए, विटामिन सी और कैल्शियम मिलते हैं। ये सभी लंबाई बढ़ाने में मदद करते हैं। इसलिए बच्चों को खाने में सलाद, सूप और दूसरे पोषक तत्व देने चाहिए। इससे उनकी ग्रोथ अच्छी होगी।

फल

बच्चों की लंबाई बढ़ाने के लिए उन्हें खाने में फल भी देना चाहिए। फलों में विटामिन, खनिज और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। अगर बच्चा हाइट बढने वाले दौर में है तो उसे दिन में कम से कम दो बार फल या जूस देना चाहिए।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स भी प्रोटीन, हेल्दी फैट और दूसरे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। बच्चों की लंबाई बढ़ाने में ये सभी काफी मददगार होते हैं। इसलिए बच्चों को खाने में स्नैक्स के रूप में नट्स और सीड्स देना चाहिए।

अंडे

अंडा प्रोटीन का अच्छा सोर्स है। बच्चों की हाइट बढ़ाने में यह काफी अच्छा माना जाता है। अंडे में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो लंबाई बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसलिए बच्चों को दिन में 1-2 अंडा खाने में देना चाहिए।

बच्चों की हाइट बढ़ाने के कुछ अन्य उपाय

1. बच्चों को नियमित तौर पर एक्सरसाइज करवाएं।

2. हाइट बढ़ाने के लिए बच्चों को पर्याप्त नींद लेने दें।

3. बच्चों की ग्रोथ के लिए उन्हें तनाव से दूर रखें।

4. बच्चों को हेल्दी लाइफस्टाइल दें।

(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -099

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

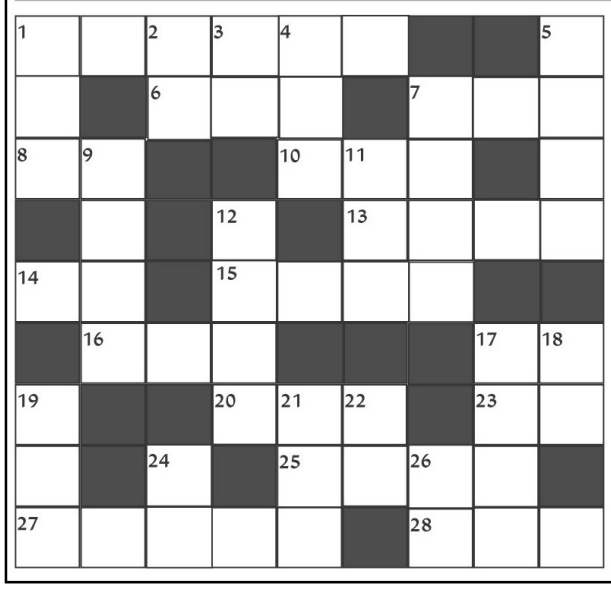

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 98 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सलमान खान-कैटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 बनी 300 करोड़ी

सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 को रिलीज के बाद ही दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। ऐसे में फिल्म भारत में ही नहीं दुनियाभर में शानदार कमाई कर रही है। टिकड़ खिड?ी पर पिछले 2 दिन से फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है तो दुनियाभर में यह अब 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। आइए अब सलमान की उन फिल्मों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने ये आंकड़ा पार किया।

सलमान की फिल्म ने रिलीज के पहले 3 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई की तो पांचवें दिन इसकी कमाई में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। हालांकि, फिल्म की कमाई 187.65 करोड़ रुपये हो गई और अब यह जल्द 200 करोड़ क्लब में भी शामिल हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म अपनी रिलीज के छठे दिन यानी शुक्रवार को महज 4.11 करोड़ रुपये की सबसे कम कमाई करने वाली है।

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई घट रही है तो दुनियाभर में यह 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में फिल्म 5 दिन में 297 करोड़ का कमाने में सफल रही तो 17 नवंबर को यानी रिलीज के छठे दिन शुरुआती शो से ही इसने 300 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।यह 300 करोड़ रुपये कमाने वाली इस साल की छठी फिल्म भी बन गई है।

टाइगर 3 यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है, जिसकी शुरुआत 2012 में टाइगर फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म एक था टाइगर से हुई थी।इस यूनिवर्स की अब तक टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान रिलीज हो चुकी हैं। इन सभी फिल्मों ने टिकट खिड?ी पर बेहतरीन प्रदर्शन किया।अब टाइगर 3 में ऋतिक रोशन के एजेंट कबीर के रूप में कैमियो से वॉर 2 की पुष्टि हो गई है। शाहरुख खान के साथ टाइगर वर्सेज पठान आएगी।

अमेजन प्राइम वीडियो ने किया अपनी नई सीरीज धूथा का ऐलान

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो ने अपनी नई वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम धूथा रखा गया है। यह हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी।

धूथा का निर्देशन विक्रम के कुमार द्वारा किया जा रहा है। इसमें नागा चैतन्य अक्किनेनी, पार्वती थिरुवोथु, प्रिया भवानीशंकर और प्राची देसाई जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ निर्माताओं ने धूथा का पहला पोस्टर भी जारी कर दिया है।

अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर धूथा का पोस्टर साझा किया है।इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, रहस्य या संदेश? आपको जल्द ही पता चल जाएगापोस्टर के साथ धूथा की रिलीज तारीख भी सामने आ चुकी है। यह वेब सीरीज 1 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देने के लिए तैयार है।इस सीरीज के जरिए चैतन्य अक्किनेनी ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं।

इंडो-वेस्टर्न येलो आउटफिट पहन रकुल प्रीत सिंह ने दिखाया किलर अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से लोगों के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी कातिलाना अदाओं को देखकर लट्टू हो जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लोगों को के बीच महफिल लूट ली है।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपनी एक्टिंग और बोल्ड ड्रेसिंग सेंस दोनों के चलते ही सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में रकुल प्रीत सिंह ने इंडो-वेस्टर्न ड्रेस में अपनी फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने येलो कलर का सिंपल एंड सोबर लुक में लहंगा पहाना हुआ है।

एक्ट्रेस अपने इस आउटफिट में बेहद ही कमाल की नजर आ रही हैं। साथ ही कैमरे के आगे एक से बढकर एक पोज देते हुए इंटरनेट पर सनसनी मचा रही हैं। कानों में झुमके, लाइट मेकअप और खुले बाल कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लुक को काफी खूबसूरती से निखारा है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह डीपनेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करते हुए अपनी सेक्सी अदाओं से फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं।

एक्ट्रेस ने अपनी इन फोटोज को शेयर करते हुए कैप्शन में कुछ ना लिखते हुए तीन येलो हार्ट इमोजी शेयर किए हैं। बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो उनके चाहने वाले उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों पर भी अब तक 5 लाख से ज्यादा यूजर्स के लाइक्स चुके हैं। (आरएनएस)

कीर्ति कुल्हारी अंतरराष्ट्रीय फिल्म में आएंगी नजर

फिल्म मिशन मंगल और वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज में नजर आई अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी 13 साल से मनोरंजन जगत का हिस्सा हैं।इस दौरान अभिनेत्री कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहीं और अपने अभिनय के बल पर एक अलग पहचान बनाई।अब कीर्ति बॉलीवुड के बाहर अपने कदम बढ़ा रही हैं और जल्द अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म में नजर आएंगी।ऐसे में अभिनेत्री ने अपने बॉलीवुड से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जाने के सफर के बारे में बात की है।

कीर्ति फिल्म सच इज लाइफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत करने जा रही हैं। यह अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय अप्रवासी परिवार की कहानी है, जिसमें कीर्ति और जिम सर्भ माता-पिता बनेंगे।इसकी शूटिंग कश्मीर, नई दिल्ली, न्यू ऑरलियन्स, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क में अगले साल अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है।हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म का निर्माण रोमिला सराफ भट्ट, राहुल भट्ट, प्रिंसटन, न्यू जर्सी में स्थित रेड बाइसन प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है।

कीर्ति ने कहा कि अब उन्हें महसूस होता है कि वह अपने करियर में आगे बढ़ रही हैं, जिससे उनका विकास हो रहा है।अभिनेत्री का कहना है कि वह फिल्म सच इज लाइफ को सिर्फ एक प्रोजेक्ट के रूप में नहीं देखती हैं, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह इस चरण में आत्मविश्वास देता है।ऐसे में वह अपनी फिल्म को लेकर उत्साहित हैं।

कीर्ति ने कहा, यह कदम मुझे बताता है कि मैं इसके लिए कितनी तैयार हूं। एक अभिनेत्री के रूप में मैं जो सोचती हूं और करती हूं, मेरे करियर के संदर्भ में यह मेरे लिए एक स्वाभाविक प्रगति है। मैं इसके लिए तैयार हूं।कीर्ति का कहना है कि उन्हें घबराहट नहीं हो रही है कि लोग उनको लेकर अपनी धारणा बनाएंगे या उन्हें जज करेंगे। उन्हें लगता है कि यह उनके लिए एकदम सही समय है।

कीर्ति ने अब तक के अपने सफर के बारे में बात करते हुए कहा कि यह आसान नहीं रहा है। यह उनकी एक लंबी और कठिन यात्रा है, जिसमें वह अकेले भी रहीं।वह कहती हैं कि कभी-कभी गुस्सा आता था यह समझने की कोशिश करने में कि क्या हो रहा था या फिर कुछ क्यों नहीं हो रहा था। उन्हें लगता था कि वह बहुत कुछ कर सकती हैं, लेकिन इसे दिखाने का मौका उन्हें नहीं मिल रहा था।

कीर्ति ने 2010 में फिल्म खिचड़ी से बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की थी और अब वह जल्द ही फिल्म खिचड़ी 2 में कैमियो करेंगी। कीर्ति ने 2016 में अभिनेता साहिल सहगल से शादी की थी, लेकिन अप्रैल 2021 वे अलग हो गए।

हिस्ट्री हंटर पूरे भारत में सदियों पुराने छिपे रहस्यों को करेगा उजागर: मनीष पॉल

शो हिस्ट्री हंटर को होस्ट करने जा रहे एक्टर मनीष पॉल ने कहा है कि यह भारत के विविध परिदृश्य में छिपी जटिलताओं को उजागर करता है।

सीरीज में अचानक इतिहास में समा जाने वाले और लोगों की स्मृति से गायब हो चुके डेढ़ साल पहले मौजूद दुनिया के सबसे बेहतरीन भारतीय विश?वविद्यालयों से लेकर एक अस्पष्ट इंजीनियरिंग चमत्कार तक की कहानियां बताई गई हैं जिसने 80 टन वजनी चट्टान को बिना किसी आधुनिक मशीनरी के 200 फीट उठाना संभव बनाया।

मनीष के उन सवालों के पीछे तार्किक स्पष्टीकरण और तर्क की उनकी खोज में विशेषज्ञ मदद करेंगे।

शो के बारे में मनीष ने कहा, हिस्ट्री हंटर ने मुझे पूरे भारत में एक रोमांचक यात्रा शुरू करने का अवसर प्रदान किया है, जिसमें हमारे विविध परिदृश्य में छिपी जटिलताओं को उजागर किया गया है। वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के साथ सहयोग करना एक सुखद अनुभव रहा है। मैं उत्सुकता से इस रोमांचक सीरीज को दर्शकों के साथ साझा करने का इंतजार कर रहा हूं और विश्वास करता हूं कि यह उन्हें मंत्रमुग्ध कर देगी।

यह शो नाना साहेब पेशवा 2 के लापता होने से जुड़े सिद्धांतों का भी पता लगाएगा। हिस्ट्री हंटर का प्रीमियर 20 नवंबर को डिस्कवरी चैनल पर हुआ और यह डिस्कवरी प्लस पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

नेटफ्लिक्स ने किया काला पानी की दूसरी किस्त का ऐलान

काला पानी के पहले सीजन ने अपने शानदार लेखन और दमदार प्रदर्शन के साथ दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। इसके साथ ही काला पानी इस साल नेटफ्लिक्स इंडिया की सर्वश्रेष्ठ पटकथा वाली सीरीज में शामिल हो गई। नेटफ्लिक्स की टॉप 10 नॉन ग्लोबल इंग्लिश टीवी सूची में स्थान बनाए हुए है। सीरीज रिलीज के एक सप्ताह के भीतर 11 देशों में ट्रेंड करने लगी। इस सफलता के बाद नेटफ्लिक्स ने आज दूसरे सीजन की घोषणा की।

काला पानी के कार्यकारी निर्माता शोरनर और निर्देशक समीर सक्सेना ने कहा, सभी तरफ से मिल रहे बिना शर्त प्यार से हम बेहद संतुष्ट हैं। हम बेहद आभारी हैं कि नेटफ्लिक्स को हमारे विचार और कहानीकार के रूप में हम पर भरोसा था। काला पानी सामूहिक रूप से या व्यक्तिगत रूप से हमारे द्वारा चुने गए विकल्पों और संतुलन को बनाए रखने में, इसके बड़े प्रभाव के बारे में बातचीत शुरू करने में सफल रहा है। जैसा कि हम काला पानी के सीजन 2 के लिए तैयार हैं, हम एक बार फिर इस दुनिया में गोता लगाने और किरदार की यात्रा को वहीं से शुरू करने के लिए रोमांचित हैं, जहां हमने इसे छोड़ा था।

नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा, काला पानी की रिलीज के बाद से सीरीज को प्रशंसकों, आलोचकों और उद्योग जगत से जो प्यार मिला है, उससे हम वास्तव में अभिभूत हैं। भारत में सर्वाइवल-ड्रामा की एक पूरी नई शैली में उद्यम करना नेटफ्लिक्स में हमारे लिए फायदेमंद रहा है। प्रशंसकों को शो और पात्रों के साथ जुड़ते देखना अनोखी कहानी कहने की शक्ति और स्क्रीन पर अलग आवाज रखने की उनकी प्रवृत्ति का सच्चा प्रमाण है। हम समीर, बिस्वा और अमित के साथ छलांग लगाने में सक्षम होने से खुश हैं और हम अपने दर्शकों के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से काला पानी के बिल्कुल नए सीजन के साथ एक और दिलचस्प अध्याय लाने का इंतजार नहीं कर सकते।

काला पानी के पहले सीजन में मोना सिंह, आशुतोष गोवारिकर, अमेय वाघ, सुकांत गोयल, विकास कुमार, अरुशी शर्मा, राधिका मेहरोत्रा, चिन्मय मंडलेकर और पूर्णिमा इंद्रजीत सहित कई बेहतरीन कलाकार शामिल थे। (आरएनएस)

वाणी और व्यवहार

अवधेश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गंभीर नेता माने जाते हैं। इन दिनों उनके वक्तव्य और व्यवहार लोगों को हैरत में डाल रहे हैं। विरोधियों की छोड़िए उनके समर्थक और निकटतम भी प्रश्न उठा रहे हैं कि वाकई यह नीतीश कुमार ही हैं?

पिछले दिनों विधानसभा के अंदर के दो प्रसंगों ने पूरे देश में उनकी छवि को मटियामेट किया है। जनसंख्या नियंत्रण पर बोलते हुए उन्होंने पति-पत्नी के यौन रिश्ते को हाथों और चेहरे से इशारा करते हुए ऐसी शब्दावलियों का प्रयोग किया जिनकी हम आप कल्पना नहीं कर सकते।

हंगामा होने पर उन्होंने क्षमा याचना की और कहा कि मैं स्वयं अपनी निंदा करता हूं। उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के विधानसभा में भाषण के बीच उठकर उन्होंने आम गली मोहल्लों के झगड़े सदृश अपमानजनक भाषाएं बोलीं। जीतनराम मांझी 75 प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव एवं जाति आधारित गणना रिपोर्ट पर बात रख रहे थे। जाति आधारित गणना पर राज्य भर में उठ रहे संदेह को उन्होंने शालीन भाषा में प्रकट किया। इस पर उन्होंने अफसोस भी प्रकट नहीं किया। नीतीश जी के दिए जा रहे वक्तव्यों और व्यवहार सामान्य तौर पर समझ में आने वाले नहीं हैं। विधानसभा में उनका तमतमाना और गुस्से में बीच-बीच में खड़ा होकर बोलना आम हो गया है। 17 वर्षों के आसपास मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति से हमेशा आत्मनियंत्रित एवं शत प्रतिशत संतुलित व्यवहार की अपेक्षा स्वभाविक होती है।

यह दुखद है किंतु स्वीकारना पड़ेगा कि नीतीश जी न संतुलन रख पा रहे हैं न अपने पर नियंत्रण। मोतिहारी में केंद्रीय विविद्यालय के समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उपस्थित थीं। अपने भाषण में नीतीश जी ने कहा कि जब यह राष्ट्रपति नहीं थीं तो मेरे पास काम लेकर आतीं थीं। राष्ट्रपति के मंच पर रहते हुए ऐसा बोलने को आप क्या कहेंगे? ऐसे अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं जिनसे उनके संतुलित और आंतरिक रूप से स्वस्थ होने पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। इस समय उनके कई वीडियो वायरल हैं, जिनमें दो की चर्चा प्रासंगिक होगी। एक जनता दरबार का है जहां गृह मंत्रालय से संबंधित समस्या आती है। वे अधिकारियों को कहते हैं कि गृहमंत्री को फोन लगाइए जबकि गृह मंत्रालय उनके पास है। अधिकारी कभी किसी मंत्री को फोन लगाते हैं तो कभी किसी अधिकारी को। वह पूछते हैं कि किसे लगाया और कहते हैं, हेत्तोरी के, काटिए। दूसरा वीडियो एक मंत्री के पिता की मृत्यु पर पुष्पांजलि का है। वो पुष्प उठाते हैं और शव पर डालने की बजाय मंत्री के शरीर पर डाल देते हैं। ये दो घटनाएं क्या बतातीं हैं? इसका निष्कर्ष आप स्वयं निकालिए कि नीतीश जी इस समय किस अवस्था से गुजर रहे हैं? कोई संतुलित मस्तिष्क का व्यक्तित्व इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकता। जनसंख्या नियंत्रण पर पति-पत्नी के यौन संबंधों का वैसा वक्तव्य न विधानसभा में किसी ने दिया होगा और न शायद आगे देगा। आप स्वयं अपनी निंदा कर लीजिए, माफी मांग लीजिए वैसे शर्मनाक वक्तव्य की गलती खत्म नहीं हो जाती। जीतनराम मांझी जैसे वरिष्ठ नेता को अपमानित करने का प्रसंग बिहार विधानसभा के इतिहास का ऐसा अध्याय बन गया है जिसकी चर्चा वर्षों तक होगी। उसमें नीतीश जी का नाम किस तरह लिया जाएगा इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है।

एक समय नीतीश के नाम के साथ सुशासन और बिहार को सम्मान दिलाने वाले गीत बनते थे। यह अपने आप हुआ नहीं है। नीतीश जी के गंभीर घोर समर्थक भी व्यक्तिगत बातचीत में कहने लगे हैं कि अब उनके सोच और व्यवहार की गाड़ी पटरी से उतर चुकी है। यह विचार करना पड़ेगा कि ऐसी स्थिति आई क्यों? नीतीश जी से ज्यादा उम्र के लोग अभी भी राजनीति में हैं। इसलिए विरोधियों और समर्थकों का यह कहना कि वह संतुलन रखने के उम्र को पार कर गए हैं सही नहीं है। क्या यह वर्तमान गठबंधन के भीतर असहज माहौल और व्यवहार की परिणति है? 2017 में जब नितीश जी राजद से अलग हुए थे, उन्होंने जो कारण बताया या उनके लोगों ने जो वक्तव्य दिये उन्हें याद करिए। लालू जी की अपनी राजनीतिक स्थिति सशक्त करने तथा पुलिस प्रशासन को व्यक्तिगत रूप से हैंडल करने के कारण नीतीश कुमार और उनके लोग परेशान हो गए थे। कानून और व्यवस्था के मामले में भी पुलिस प्रशासन पर इनका शत- प्रतिशत नियंत्रण नहीं था। कई बार लालू जी के यहां के आदेश क्रियान्वित हो जाने के बाद मुख्यमंत्री को पता चलता था।

भाजपा के साथ गठबंधन में स्थिति बिल्कुल अलग थी। पूरा मंत्रिमंडल और भाजपा विधानमंडल नीतीश जी को ही नेता मानकर काम करता था। उस समय नीतीश गठबंधन के सर्वमान्य और सर्वप्रभावी नेता थे। लंबे समय इस हैसियत में काम करने के बाद ऐसे गठबंधन में स्वयं को समायोजित करना संभव नहीं होता जहां मुख्यमंत्री रहते हुए भी सर्वमान्य और सर्वप्रभावी नेता की स्थिति नहीं हो। 2017 में वैसी स्थिति थी कि वे वापस भाजपा के साथ आ गए। अरु ण जेटली जीवित थे इस कारण आरंभ में हिचकिचाहट दिखाते हुए भी भाजपा के साथ सरकार बन गई। अब वह जिस सीमा तक चले गए उसमें वापसी कठिन है। बिहार की राजनीति पर नजर रखने वाले बताते हैं कि लालू यादव और उनके परिवार के लोग मानते हैं कि नीतीश साथ हैं किंतु वे दिल से किसी के नहीं हो सकते। लालू जी कई बार बोल चुके हैं कि नीतीश के पेट में दांत है। साथ रहते हुए भी राजद की अपनी राजनीतिक कवायद समानांतर चलती है। बड़ा दल होने के कारण उनके मंत्रियों और नेताओं का व्यवहार भी नीतीश जी को असामान्य बनाने के लिए पर्याप्त हैं।

बिहार के गांव-गांव में लोग बता रहे हैं कि उनके यहां जाति आधारित गणना करने कोई आया नहीं। फिर यह रिपोर्ट कैसे तैयार हो गई? क्या यह समाचार नीतीश जी और उनके रणनीतिकारों के पास नहीं पहुंचता है? उन्हें भी इसका आभास हुआ होगा कि जाति आधारित गणना का उनके राजनीतिक साझेदार ने अपनी राजनीतिक दृष्टि से उपयोग किया है। वे अपने आदेश से हुई गणना को नकार भी नहीं सकते। वह इस पर न कुछ बोल सकते हैं और न सरकार से अलग हो सकते हैं। ऐसे में झुंझलाहट, तमतमाहट, चिड़िचड़ाहट, गुस्सा और संतुलन खो जाने की स्थिति स्वाभाविक होती है। यह केवल मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार की नहीं बिहार की त्रासदी है।

हाई हील्स पहनने वाले हो जाएं सावधान!

आजकल तो हाई हील्स पहनना फैशन का अहम पार्ट हो गया है। हाई हील्स में लड़कियां काफी ज्यादा खूबसूरत तो दिखती हैं लेकिन वह सेहत के लिए ठीक नहीं है। दरअसल, सेहत के हिसाब से फ्लैट जूते-चप्पल अच्छे माने जाते हैं। जो आपके पैर के शेप के हिसाब से रहे। लेकिन जब आप हाई हील्स पहनते हैं तो आपके पैर का शेप अलग हो जाता है। कहने का मतलब यह है कि वह नेचुरल शेप में नहीं रहता है। इसके कारण हड्डियों का शेप भी बिगड़ सकता है। आज हम आपको हाई हील्स पहनने के नुकसान बताएंगे। साथ ही यह आपको कई सारी बीमारी भी देती है।

हाई हील्स पहनने से होती है ये बीमारी

ज्यादा हाई हील्स पहनने से पैरों में बनियन की समस्या हो सकती है। साथ फ्यूचर में इससे आपको पोडियाट्री की दिक्कत हो सकती है। हाई हील्स पहनने से पैरों की उंगलियां आपसे में चिपक जाती है जिसके कारण शेप खराब हो सकता है। पैरों में पोडियाट्री भी हो सकती है। अंगुठा के पास की हड्डी निकल जाती है जिससे पूरे पैर का शेप खराब हो जाता है।

हाई हील्स पहनने से होते हैं नुकसान

हाई हील्स पहनने से पैरों को भारी नुकसान होता है। जैसे रूमेटाइड अर्थराइटिस साथ ही पैरों का शेप बिगड़ जाता है।

क्लॉ टो की समस्या हो सकती है जिसमें आपके अंगूठे दूसरी उंगलियों से चिपके नजर आते हैं।

जोड़ों में दर्द

टखने में मोच

पैर की उंगलियों का ओवलैप होना। जिसके कारण भद्दे दिखते हैं। हाई हील्स पहनने से आपको कम में भी दर्द की शिकायत हो सकती है। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.099

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.98 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

दो समझौतों से उम्मीद

अतीत में बड़े देशों ने जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं लिया, जिसकी भारी कीमत दुनिया को चुकानी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव अब वर्तमान पीढी को अपने जीवनकाल में ही भुगतने पड़ रहे हैँ। क्या अब दुनिया इस मसले को गंभीरता से लेगी?

अगले 30 नवंबर से दुबई में शुरू होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन से ठीक पहले दो समझौतों से उम्मीद बंधी है कि ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकने की दिशा में अब कुछ प्रगति हो सकेगी। इनमें एक समझौता अमेरिका और चीन के बीच हुआ है, जो दुनिया में कार्बन गैसों के सबसे बड़े दो उत्सर्जक हैं। दूसरा समझौता यूरोपियन यूनियन (ईयू) में शामिल देशों के बीच हुआ है। अमेरिका और चीन राजी हुए हैं कि वे मिल कर ग्लोबल वॉर्मिंग का मुकाबला करेंगे। दोनों देश एक साझा कार्यदल बनाएंगे। यह कार्यदल ऊर्जा संक्रमण, मीथेन उत्सर्जन, निम्न उत्सर्जन वाले विकास कार्यक्रमों पर अमल, जंगलों की कटाई रोकने आदि जैसी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। उधर ईयू में हुए समझौते के तहत इसमें शामिल देश जीवाश्म ईंधन के उद्योगों में मीथेन गैस के उत्सर्जन की निगरानी करने और इसका रिसाव रोकने के नए कदम उठाएंगे। लेकिन गौरतलब है कि यह अभी एक प्रोविजनल संधि है। इसे तभी कानूनी दर्जा मिलेगा, जब समझौते में शामिल सभी देश इसका

अनुमोदन कर देंगे। ईयू भी एक बड़ा उत्सर्जक है। दो साल पहले तक जलवायु परिवर्तन रोकने की दिशा में सबसे प्रभावी कदम ईयू में उठाए गए थे। लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद इन देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाया, जिससे वहां प्राकृतिक गैस की किल्लत हो गई। नतीजतन, ईयू के सदस्य कई देश जीवाश्म ऊर्जा को फिर से अपनाने लगे। उधर अमेरिका में तो कभी भी उत्सर्जन रोकने के कदम गंभीरता से नहीं उठाए गए। अब दुबई में होने वाली कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-28) से ठीक पहले इन देशों का फिर से उत्सर्जन रोकने का इरादा जताना सकारात्मक दिशा में है। बहरहाल, चूंकि अतीत में ऐसे समझौतों पर अमल का रिकॉर्ड बेहतर नहीं है, इसलिए ताजा समझौतों से क्या हासिल होगा, इसको लेकर संदेह बना रहेगा। अतीत में बड़े देशों ने जलवायु परिवर्तन की समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, जिसकी बहुत भारी कीमत दुनिया को चुकानी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव अब वर्तमान पीढी को अपने जीवनकाल में ही देखने और भुगतने पड़ रहे हैँ। क्या अब दुनिया इस मसले को गंभीरता से लेगी?(आरएनएस)

प्रेरक सोच

ग्वालियर के विक्टोरिया स्कूल में एक किशोर छठी कक्षा में पढ़ता था। वह जितनी लगन से पढ़ाई करता था उतनी ही लगन से खेलता भी था। स्कूल के प्राचार्य एक अंग्रेज सज्जन थे। वो गुस्सैल और अनुशासन प्रिय होने के साथ-साथ प्रतिभा पारखी भी थे। एक दिन स्कूल से सटे बंगले से एक अंग्रेज अफसर गुस्से में सीधे स्कूल प्राचार्य से एक छात्र की शिकायत करते हुए बोला कि आपके स्कूल के एक खिलाड़ी लड़के ने हॉकी से गेंद को इतनी जोर से मारा कि मेरे बंगले की खिड़की का कांच तोड़ डाला। प्राचार्य ने उस लड़के के बारे में पता लगवाकर उसे अपने दफ्तर में बुलवाया। जब लड़का दफ्तर में आया तो प्राचार्य उसे देख मुस्करा दिए। उसकी पीठ थपथपाकर उसे एक हॉकी और गेंद पुरस्कार में दी। जानते हो बचपन में जिस लड़के को प्राचार्य ने प्रोत्साहित किया, वह कौन था? वह बालक आगे जाकर भारतीय हॉकी टीम का कप्तान बना, नाम था- रूपचन्द।

एनसीसी स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड वाहिनी एनसीसी, रुड़की द्वारा एनसीसी स्थापना के 76 वर्ष पूर्ण होने पर आज ब्लड बैंक, सिविल हॉस्पिटल रुड़की मे 'महा रक्तदान' शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक रवि कपूर द्वारा बताया गया कि 84 वाहिनी राष्ट्रीय कैडेट कोर रुड़की के 180 से अधिक एनसीसी कैडेट, 4 सहायक एनसीसी अधिकारी, 2 मिलिट्री इंस्ट्रक्टर व 6 राज्य कर्मचारियों द्वारा एनसीसी दिवस के शुभ अवसर पर सिविल हॉस्पिटल रुड़की में रक्तदान किया गया। कपूर ने बताया कि रक्तदान शिविर हेतु कुल 550 कैडेट्स द्वारा पंजीकरण कराया गया था परंतु मात्र 180 ही रक्तदान हेतु उपयुक्त पाए गये। रक्तदान शिविर का शुभारंभ रुड़की के विधायक प्रदीप बत्रा एवं बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन द्वारा किया गया। कर्नल आर रमेश द्वारा अपने संबोधन में बताया गया कि 'रक्तदान महादान है' व एक यूनिट ब्लड 3 जिंदगी बचाता है । प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को 3 माह में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। एनसीसी कैडेट्स को देश की सबसे बड़ी यूथ ऑर्गेनाइजेशन के तौर पर इस कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस अवसर पर रुड़की के विधायक प्रदीप बत्रा ने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओ में जोश, उत्साह और राष्ट्रभक्ति की भावना उत्पन्न करती है जो उन्हें अन्य युवाओं से बहुत अलग बनाती है। रक्तदान शिविर में ब्लड बैंक अधिकारी डॉ रजत सैनी, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर अंजुम रानी, सीनियर लैब टेक्नीशियन पवन कश्यप, नर्सिंग ऑफिसर सोफिया, काउंसलर रजनी आर्य, दीपक त्रिपाठी लैब टेक्नीशियन, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मनोज नवानी व विनीत, हेल्पर द्वारा कैडेट्स को रक्तदान कराने में सहयोग दिया गया।

जमीनी विवाद के चलते गोली मारकर...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

पर भी फायर झोंक दिया जिससे वह भी घायल हो गया। फायर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो हमलावर तीनों लोग स्कूटर पर बैठकर वहां से फरार हो गये। क्षेत्रवासियों ने दोनों घायलों को विकासनगर के लेहमन हास्पिटल में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने बघेल सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं धर्मसिंह को सीटी स्कैन व एमआरआई जांच के लिए हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया। घटना का पता चलते ही एसएसपी अजय सिंह, एसपी देहात कमलेश उपाध्याय, सीओ भास्कर लाल शाह व कोतवाल सूर्यभूषण नेगी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद हमलावरों की तलाश में सघन चैकिंग अभियान चलाया लेकिन समाचार लिखे जाने तक किसी के गिरफ्तार होने की सूचना नहीं थी।

रेस्क्यू टीम का पाइप प्लान फेल..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

पाइप प्लान के फेल होने के बाद अब वर्टिकल ड्रिलिंग प्लान और हारिजेंटल ड्रिलिंग प्लान की तैयारी को तेज किया जा रहा है। वर्टिकल ड्रिलिंग का काम सतलुज जल विद्युत परियोजना की विशेषज्ञों को सौंपा गया जो आज अपनी भारी भरकम मशीन को पहाड़ की चोटी तक ले जाने के काम में जुटे हुए हैं हो सकता है कल तक यह काम शुरू हो जाए लेकिन यह काम अत्यधिक जोखिम भरा है तथा इसे अगर सफलता पूर्वक किया भी जा सका तो इसमें तीन से चार दिन का समय लगना तय है। वही हारिजेंटल ड्रिलिंग का काम करने वाली रेलवे की टीम का कहना है कि उसे इस काम में 10 दिन से एक माह तक का समय लग सकता है तीसरा जो एक अन्य विकल्प है वह बड़कोट की तरफ से सुरंग की खुदाई का लेकिन इस काम में महीनों का समय लगेगा इसलिए उसे सोचा जाना भी बेकार है। रेस्क्यू के कार्य को भले ही पीएमओ की देखरेख में आने के बाद युद्ध स्तर पर किया जा रहा हो लेकिन अब इसके बहुत जल्द पूरा होने की संभावनाए दिखाई नहीं दे रही। जिससे सुरंग में फंसे लोगों और परिजनों की चिंताएं और भी अधिक बढ़ गई है।

किसकी शह पर मुख्य चौराहों के पास धड़ल्ले...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

न्यौता देती दिखायी देती है लेकिन इन पर कार्यवाही करने के लिए पुलिस तो पुलिस नगर निगम प्रशासन भी मौन साधे हुए है। इसका कारण किसी के पास नहीं है कि यह किसी शह पर हो रहा है जिसके कारण पुलिस प्रशासन व निगम को अपनी आंखे मूंदने पर विवश किया हुआ है। यहां यह नहीं कि एक आध ी कोई ठेली खडी है और कुछ देर बाद वह वहां से चली जाती होगी ऐसा नहीं है यह ठेलियां सुबह आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक खडी होती है और वह धडल्ले से वहां पर खडे होकर पुलिस को मुंह चिढाते है लेकिन किसी की हिम्मत नहीं होती कि उनके खिलाफ कोई कार्यवाही कर सके। जबकि ओरियंट चौराहा तो मुख्य केन्द्र है और यहां पर पुलिस अधिकारियों को आये दिन धरने प्रदर्शनों के कारण जमा होना पडता है उसके बावजूद उनको इन ठेलियों को नजरअंदाज क्यों करना पड़ता है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका धामी सरकार का पुतला

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी हिन्दू जागरण मंच के युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष को बचाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धामी सरकार का पुतला दहन किया।

आज यहां हिन्दू जागरण मंच युवा वाहिनी के वर्तमान जिला अध्यक्ष व बजरंग दल के पूर्व नगर अध्यक्ष नवीन रौतला की और से नाबालिग युवती के साथ किये गये दुष्कर्म के आरोप से आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं नें धामी सरकार का पुतला दहन किया। एस्ले हॉल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया और धामी सरकार का पुतला फूंका। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में महिलायें सुरक्षित नहीं हैं। एक के बाद एक भाजपा के नेताओं के महिला विरोधी कारनामे सामने आ रहे हैं। राज्य की कानून व्यवस्था काम कर रही है न लोककल्याण के कार्यों पर सरकार का ध्यान है। लूट, डकैती, जमीनों के फर्जीवाड़े आदि की घटनाएं आये दिन हो रही हैं। भाजपा सरकार महिलाओं को लेकर हर स्तर पर असंवेदनशील है। दिल्ली में देश का गर्व महिला पहलवानों के साथ दुर्व्यवहार का मामला अकारण नहीं है बल्कि ये सरकार सत्ता के मद में चूर है। भाजपा सरकार के तथाकथित डबल इंजन की सरकार का सबसे ज्यादा खामियाजा महिलाओं को ही भुगतना पड़ा है। एक तरफ भयंकर महंगाई ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है दूसरी तरफ महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में वृद्धि हुई है। आने वाले चुनावों में महिलाएं भाजपा को सबक सिखाएंगी। इस अवसर पर पूरण सिंह रावत, मनीष नागपाल, सत्य पोखरियाल, पूनम कंडारी, पूनम कंडारी, सावित्री थापा, मंजू चौहान, अभिषेक तिवारी, ट्विंकल अरोड़ा, फारूक राव, जगदीश धीमान, भवन डोरा, रामबाबू, सुभाष धीमान, शहजाद अंसारी,आदर्श ,अवधेश, तौफीक खान, मुकीम अहमद, विकास ठाकुर, शाहिद अहमद, चुन्नीलाल ,वीरेंद्र पवार ,शकील मंसूरी, मनीष गर्ग, रवि हसन, नरेश बगंवाल, नवीन कुमार, हारुण अंसारी, नईम अहमद ,मनीष लाखेड़ा, हेमराज सिंह, अशोक कुमार, संजय गौतम, ललित बद्री आदि उपस्थित थे।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने नई बस्ती पुल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 62 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम आकाश कोरी पुत्र रामधरन निवासी रामनगर दीपनगर बताया। वहीं डालनवाला कोतवाली पुलिस ने डीएल रोड से एक युवक को 52 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम राहुल कुमार पुत्र ओमप्रकार निवासी डीएल रोड बताया।

चोरी हुई पानी की मोटर व चाकू सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पानी की मोटर व टूल्लू पंप चोरी मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चुरायी गयी मोटर व एक चाकू भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह नैतराम पुत्र किसन सिह निवासी गांव खेडीकला लक्सर हरिद्वार ने कोतवाली लक्सर पर तहरीर देकर बताया गया था कि उनके मकान से अज्ञात व्यक्ति द्वारा पानी की मोटर व टूल्लू पम्प चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को आज दोपहर सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल चोर मुण्डाखेडा कलां में देखा गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर एक संदिग्ध को चुरायी गयी पानी की मोटर के साथ ध र दबोचा गया। जिसकी तलाशी में उसके पास से एक चाकू भी बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल पुत्र मांगेराम निवासी ग्राम खेडी कला थाना कोतवाली लक्सर जिला हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अकेले रहने वाली बुजुर्ग महिला को पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

संवाददाता

देहरादून। अकेले रह रही वृद्ध महिला की तबियत खराब होने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

आज सुबह लगभग सात बजे थानाध्यक्ष क्लेमेंट टाउन को सूचना प्राप्त हुई टर्नर रोड 3 में एक सीनियर सिटीजन महिला अकेली रहती है, जिनकी तबीयत बहुत ज्यादा खराब है, जिनको अस्पताल ले जाने के लिये एंबुलेंस नहीं मिल पा रही है। इस सूचना पर तत्काल थाना क्लेमेंनटाउन से पुलिस कर्मियों को मौके पर भेजा गया तथा 108 एंबुलेंस को भी सूचित किया गया। मौके पर पुलिस कर्मियों द्वारा वृद्ध महिला को थाने की गाड़ी में बैठाकर अस्पताल ले जाया जा रहा था कि इसी बीच मौके पर एम्बुलेंस पहुँचने पर बुजुर्ग महिला को एंबुलेंस से वेलमेट अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वर्तमान में बुजुर्ग महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है, महिला की तबीयत के संबंध में भी जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि महिला का शुगर लेवल बहुत नीचे आ गया था, जिनकी स्थिति अभी सामान्य है। महिला की पुत्री ऑस्ट्रेलिया में रहती है, जिसे पुलिस द्वारा सूचित किया गया है, वह भी जल्द पहुंच रही हैं। एसएसपी अजय सिंह ने आमजन से अपील की है कि अपने आसपास रहने वाले अकेले सीनियर सिटीजन्स की किसी भी परेशानी पर तत्काल नजदीकी थाना एवं चौकी को सूचित करें। देहरादून पुलिस सीनियर सिटीजन्स की हर संभव सहायता के लिए सदैव तत्पर है।

एक नजर

पीएम मोदी ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरकारी स्वामित्व वाली हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की अपनी यात्रा के दौरान बेंगलुरु में तेजस लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। पीएम मोदी एचएएल की विनिर्माण सुविधा की समीक्षा करने के लिए बेंगलुरु में ही थे। रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना प्रधानमंत्री मोदी की सबसे बड़ी महात्वाकांक्षा है। पीएम मोदी रक्षा उत्पादों के स्वदेशी उत्पादन पर जोर दे रहे हैं और उन्होंने बार-बार ये बात जोर देकर कही है कि उनकी सरकार ने भारत में रक्षा उपकरणों के विनिर्माण और उनके निर्यात को बढ़ावा दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ष्तेजस पर उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की। यह अनुभव अविश्वसनीय रूप से समृद्ध था, जिसने हमारे देश की स्वदेशी क्षमताओं

में मेरे विश्वास को काफी बढ़ा दिया, और हमारी राष्ट्रीय क्षमता के बारे में मुझमें नए सिरे से गर्व और आशावाद की भावना पैदा की।ष बता दें कि तेजस भारतीय वायुसेना में अब धीरे-धीरे शामिल किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने 40 तेजस विमानों के आर्डर सबसे पहले दिए थे। इनमें से 31 विमान मिल चुके हैं। निकट भविष्य में 100 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर देने की योजना है। इसके अलावा 120 तेजस एमके-2 पर भी विचार किया जा रहा है। 2025 तक मिग-21 के स्कवाड्रन को एलसीए मार्क 1ए से बदल दिया जाएगा।

बीटेक की छात्रा ने कॉलेज की पांचवी मंजिल से कूदकर दी जान

मुरादाबाद । उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में टीएमयू यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली बीटेक की छात्रा ने शुक्रवार को कॉलेज की पांचवी मंजिल से छलांग लगा दी। तुरंत ही उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन देर शाम उसने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान करुणा विश्वकर्मा के रूप में हुई है। जो बीटेक इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष में पढ़ाई कर रही थी। शुक्रवार सुबह उसने कॉलेज की बिल्डिंग की 5वी मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। खून से लथपथ छात्रा को उठाया और अस्पताल

पहुंचाया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने छात्रा के परिजनों को दी घटना की सूचना दी। वह बिहार के मधुबनी जिले में नगनिया की रहने वाली थी। सुसाइड से पहले छात्रा ने अपनी रूम मेट से कहा था कि कमरे में कुछ रखा है उसे देख लेना। इसके बाद करुणा ने बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दरअसल वह सुसाइड नोट था। जिसे पुलिस को सौंप दिया गया है। इस मामले पर एसपी सिटी अखिलेश भदौरी ने बताया कि बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग की छात्रा ने पांचवी मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। उसके रूम से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। जिसमें उसने लिखा है वो अपने माता-पिता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पा रही है।

अमिताभ बच्चन ने अपनी बेटी श्वेता को तोहफे में दिया जुहू वाला बंगला 'प्रतीक्षा'

मुंबई। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना बंगला प्रतीक्षा अपनी बेटी श्वेता बच्चन को तोहफे में दे दिया है। जी हां, खबर आ रही है कि दिवाली से पहले अमिताभ और जया बच्चन ने श्वेता को यह घर गिफ्ट किया है। हिंदी सिनेमा के सबसे अमीर सितारों में से एक अमिताभ बच्चन के पास मुंबई में करोड़ों की संपत्ति है। जुहू में उनका सबसे पुराना बंगला प्रतीक्षा है, जो उनके दिल के बेहद करीब है। यह वही बंगला है जहां अमिताभ

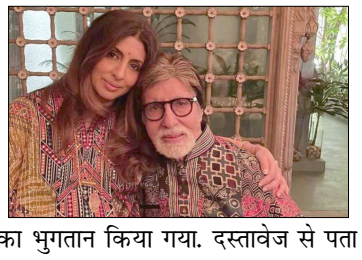

अपने पिता हरिवंश राय बच्चन और मां तेजी बच्चन के साथ रहते थे। यह बंगला अब श्वेता बच्चन का है। संपत्ति के लिए उपहार विलेख 8 नवंबर को निष्पादित किया गया था। रिपोर्टों के मुताबिक, लेनदेन की लागत रु. 50.65 लाख स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया. दस्तावेज से पता चलता है कि दोनों प्लॉट विट्ठल नगर कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड का हिस्सा हैं। मुंबई के जुहू में स्थित अमिताभ बच्चन का बंगला श्प्रतीक्षाश 890.47 वर्ग मीटर और 674 वर्ग मीटर के दो भूखंडों में फैला हुआ है। इस बंगले की कीमत 50.63 करोड़ रुपये है। बिग बी ने खुद श्कौन बनेगा करोड़पतिश के मंच पर बताया कि बंगले का नाम श्प्रतीक्षाश क्यों रखा। बंगले का नाम बिग बी के पिता हरिवंश राय बच्चन के नाम पर रखा गया है, जो उनकी एक कविता श्यहां सबका स्वागत है, किसी का इंतजार मत करोश के नाम पर रखा गया है। इस बंगले से सिर्फ अमिताभ और जया ही नहीं बल्कि श्वेता और अभिषेक की भी गहरी यादें जुड़ी हुई हैं। दोनों यहीं पले-बढ़े।

तंत्र-मंत्र के चक्कर में दो सगी बहनों की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। तंत्र-मंत्र के चक्कर में दो सगी बहनों की उनके ही घर में हत्या किये जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है। दोनो शवों में से एक तीन-चार दिन पुराना बताया जा रहा है।

मामला काशीपुर के लक्ष्मीपुर पट्टी की खालिक कालोनी का है। प्रथम दृष्टया पुलिस इन दो सगी बहनों की हत्या के पीछे तंत्र मंत्र को कारण मानकर चल रही है। हालांकि जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह खलिक कालोनी में अली हसन के घर में उसकी दो पुत्रियां मृत अवस्था में पाई

गईं। इस दोहरे हत्याकांड से शहर में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी गयी। पूछताछ के दौरान सामने आया कि अली हसन का परिवार तंत्र मंत्र पर विश्वास करता था। यह भी पता चला कि अली हसन की चार पुत्रियां व तीन पुत्र हैं। मृतका हरमीन (19) व यासीन (11) अजीबोगरीब हरकतें करती नजर आती थीं जो कभी भी अचानक चिल्लाने लगती थीं। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया इन हत्याओं के पीछे तंत्र मंत्र की संभावना दिखाई दे रही है। शवों के पास कटा हुआ मुर्गा, कुछ पैसे व खून के निशान भी मिले हैं। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

लैपटॉप व मोबाइल चोरी में एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। लैपटाप व मोबाइल चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को चोरी किये गये लैपटाप व मोबाइल सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 23 नवम्बर को शिवाजी कालोनी डहरिया निवासी एक महिला ने कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया था कि 19 नवम्बर की रात उनके घर से अज्ञात चोर द्वारा उनका लैपटाप व मोबाइल चोरी कर लिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को कल देर शाम सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल चोर तरणताल हल्द्वानी के समीप देखा गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर एक व्यक्ति को चुराये गये लैपटाप व मोबाइल सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम मुकेश कुमार वर्मा पुत्र विष्णु वर्मा निवासी नयागांव जिला लखीमपुर खीरी उ.प्र. हाल निवासी जजीकोट के पास हल्द्वानी बताया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अलग-अलग हादसों में 9 साल के मासूम की मौत, एक घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। अलग-अलग हुए सड़क हादसों में जहां एक नौ साल के मासूम की मौत हो गयी वहीं एक गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मासूम के शव को कब्जे में लेकर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार हल्द्वानी कोतवाली से कुछ दूरी पर एसडीएम कोर्ट के पास 9 साल का लड़का एक पिकअप वाहन की चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि वनभूलपुरा ढोलक बस्ती निवासी 9 वर्षीय सिमरत पुत्र मोहताब कोतवाली क्षेत्र के पास अपने परिजनों के साथ आया हुआ था। इसी दौरान कोऑपरेटिव बैंक के पास सिमरत एक पिकअप वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में मासूम को नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों

में कोहराम मच गया है। वहीं पुलिस पिकअप को कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हालांकि पुलिस को अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

वहीं दूसरा हादसा रामपुर रोड कत्था फैक्ट्री के पास हुआ है। यहां देर रात कैंटर और टिप्पर की भिड़ंत हो गई। हादसे में टिप्पर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसे में घायल चालक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाय। जहा उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

कार की चपेट में आकर वृद्ध घायल

संवाददाता

देहरादून। कार (टैक्सी) की चपेट में आकर वृद्ध के घायल होने पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नागेश्वर रोड डाकरा निवासी अतीस कुमार ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता राजेन्द्र प्रसाद कैण्ट कोतवाली के सामने ही रोड पार कर रहे थे तभी तेज गति से आ रही टैक्सी कार ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये तथा उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।